प्रश्नपत्र-1
पठन एवं लेखन

9

द्वितीय संस्करण
नए पाठ्यक्रमानुसार

हिंदी
भाग-१

द्वितीय भाषा के रूप में

विज्ञापन, विवरणिका, लीफलेट, मार्गदर्शिका, प्रतिवेदन, नियमपुस्तिका, निर्देश, आलेख, सारांश, ई-मेल लेखन, चित्र लेखन, सूचना लेखन, अनुच्छेद लेखन, पत्र लेखन, निबंध लेखन, लेख, डायरी लेखन, ब्लॉग लेखन, भाषण लेखन

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर

आई.जी.सी.एस.ई के उद्देश्यों के साथ पुस्तक के विविध विभागों का जुड़ाव –

परिचर्चा – इस विभाग के माध्यम से विद्यार्थी अन्य विद्यार्थियों से चर्चा कर सकेंगे।

साहित्यिक विमर्श –इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी की अन्य विधाओं तथा साहित्यकारों से परिचित कराने का प्रयास किया गया है।

परियोजना कार्य – इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को संशोधन करके अपना परियोजना कार्य संपूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

विचार लेखन – इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को विविध विधाओं के माध्यम से लिखकर अपने विचार अभिव्यक्त करने का अवसर दिया गया है।

विचाराभिव्यक्ति – इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थी विविध विचारों पर बोलकर अपने विचार अभिव्यक्त कर सकेंगे।

कियाकलाप/गतिविधि – इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यक्तिगत अथवा सामूहिक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

Revisedbloom'staxonomy – प्रश्नों की रचना करते समय ब्लूम के संशोधित वर्गीकरण को आधार बनाया गया है।

Cambridge learner profile – कैम्ब्रिज शिक्षार्थी के कौशलों को विकसित करने के लिए इस विभाग की रचना की गई है।

21st century skills – इक्कीसवीं सदी के विविध कौशलों को विकसित करने हेतु इस विभाग की रचना की गई है।

🕮 अनुक्रमणिका 🕮

पठन एवं लेखन कौशल (Reading and writing skills)		
क्रमांक	**अभ्यास**	**पृष्ठ संख्या**
1	पाठ्यक्रम एक नज़र में	01
2	मूल्यांकन के उद्देश्य (Assessment objectives)	02
3	पाठ्यक्रम का अवलोकन (Syllabus overview)	02
4	विषय सामग्री (Subject content)	03
5	पठन कौशल (Reading skills)	04
6	**अभ्यास – 1 (Exercise -1)** लघु उत्तर वाले प्रश्न **(Short answer questions)**	06
7	आलेख (Article)	07–27
8	विज्ञापन (Advertisement)	28–39
9	विवरणिका (Brouchure)	40–46
10	लीफलेट (Leaflet)	47–56
11	मार्गदर्शिका (Guide)	57–63
12	नियमपुस्तिका (Manual)	64–66
13	प्रतिवेदन (Report)	67–72
14	निर्देश (Instructions)	73–78
15	**अभ्यास – 2 (Exercise -2)** बहुविकल्पों का मिलान **(Multiple matching)**	80–102
16	**अभ्यास – 3 एवं 4 (Exercise -3&4)** टिप्पण एवं सारांश लेखन **(Note making & Summary writing)**	104–128
17	सारांश लेखन के मानदंड	129
18	सारांश लेखन के लिए आई.जी.सी.एस.ई द्वारा निर्धारित मानदंड	130
19	लेखन कौशल (Writing skill)	132–133
20	**अभ्यास – 5(Exercise -5)** लेखन अभ्यास **(Writing Exercise)**	134
21	ई–मेल लेखन (E-mail writing)	135–141
22	ई–मेल लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	142
23	ई–मेल लेखन के मानदंड	143
24	चित्र लेखन (Picture writing)	144–150
25	चित्र लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	151
26	चित्र लेखन के मानदंड	152
27	सूचना लेखन (Notice writing)	153–159

कमांक	अभ्यास	पृष्ठ संख्या
28	सूचना लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	160
29	सूचना लेखन के मानदंड	161
30	अनुच्छेद लेखन (Paragraph writing)	162–168
31	अनुच्छेद लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	169
32	अनुच्छेद लेखन के मानदंड	170
33	अभ्यास 5 के लिए आई.जी.सी.एस.ई द्वारा निर्धारित मानदंड	171
34	**अभ्यास – 6 (Exercise -6)** **विस्तृत लेखन अभ्यास (Extended writing Exercise)**	173
35	पत्र लेखन (Letter writing)	174–182
36	पत्र लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	183
37	पत्र लेखन के मानदंड	184
38	निबंध लेखन (Essay writing)	185–193
39	निबंध लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	194
40	निबंध लेखन के मानदंड	195
41	लेख लेखन (Article writing)	196–203
42	लेख लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	204
43	लेख लेखन के मानदंड	205
44	डायरी लेखन (Diary writing)	206–212
45	डायरी लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	213
46	डायरी लेखन के मानदंड	214
47	ब्लॉग(चिट्ठा) लेखन (Blog writing)	215–222
48	ब्लॉग लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	223
49	ब्लॉग लेखन के मानदंड	224
50	भाषण लेखन (Speech writing)	225–231
51	भाषण लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	232
52	भाषण लेखन के मानदंड	233
53	अभ्यास 6 के लिए आई.जी.सी.एस.ई द्वारा निर्धारित मानदंड	234–235
54	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –1 (Sample Paper -1)	237–244
55	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –2 (Sample Paper -2)	245–251
56	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –3 (Sample Paper -3)	252–258
57	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –1 Mark scheme	259
58	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –2 Mark scheme	260
59	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –3 Mark scheme	262

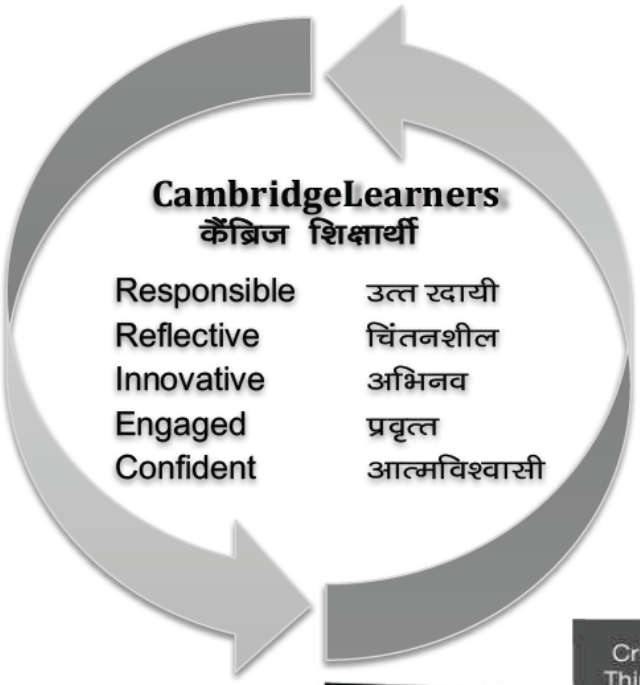

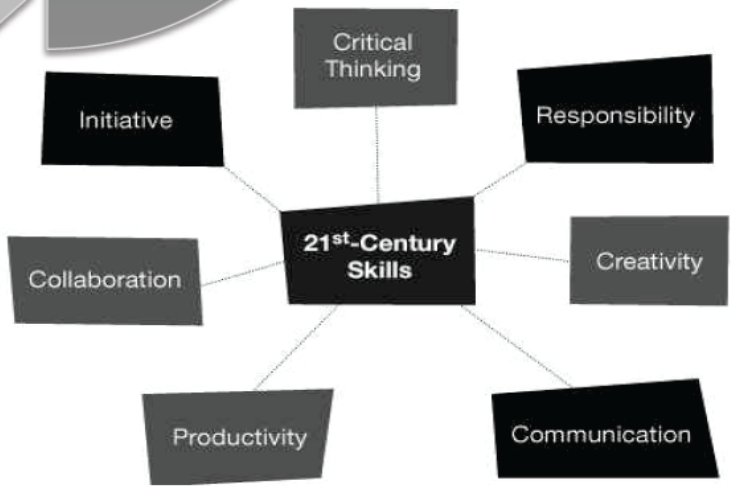

Blooms Taxonomy - Revised

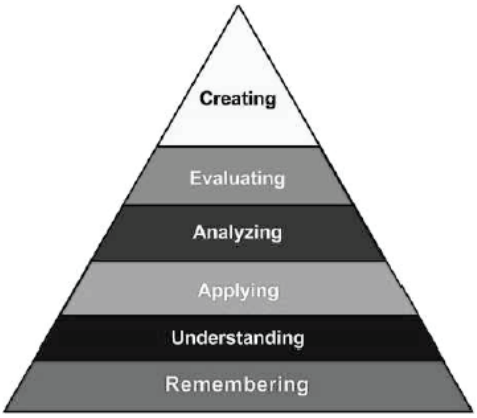

प्रश्नपत्र– 1 (पठन एवं लेखन)

सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखने होंगे।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
सभी उत्तर प्रश्नपत्र में दिए गए खाली स्थानों में ही लिखने होंगे।
शब्दकोश का प्रयोग वर्जित है।

अभ्यास – 1 लघु उत्तर वाले प्रश्न
मुद्रित लघु सामग्री को पढ़कर प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर देने होंगे। उदाहरण के लिए – विज्ञापन, विवरणिका, नियम पुस्तिका, मार्गदर्शिका, प्रतिवेदन, निर्देश, समाचार पत्र तथा पत्रिका के आलेख।
कुल अंक – 8

अभ्यास – 2 बहुविकल्पों का मिलान
विद्यार्थियों को अनुच्छेदों की एक श्रृंखला दी जाएगी। जिसे पढ़कर उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेदों में से सही अनुच्छेद चुनकर उसके सामने के कोष्ठक में सही निशान लगाना होगा।
उदाहरण के लिए – बातचीत, साक्षात्कार, एकालाप, संस्मरण, औपचारिक वार्ता। **कुल अंक – 9**

अभ्यास – 3 टिप्पण लेखन
विद्यार्थियों को एक विषय सामग्री पढ़कर दिए गए शीर्षकों पर विषय सामग्री को आधार बनाकर टिप्पणी लिखनी होगी।
कुल अंक – 9

अभ्यास – 4 सारांश लेखन
विद्यार्थियों को अभ्यास 3 की विषय सामग्री के एक पहलू या पहलुओं के बारे में यथासंभव अपने शब्दों में 100 शब्दों का सारांश लिखना होगा।
कुल अंक – 10

अभ्यास – 5 लेखन अभ्यास
विद्यार्थियों को 120 शब्दों में व्यावहारिक हिंदी से संबंधित लेखन कार्य करना होगा। उदाहरण – ई–मेल लेखन, अनुच्छेद लेखन, चित्र लेखन आदि। **कुल अंक – 08**

अभ्यास – 6 विस्तारित लेखन अभ्यास
विद्यार्थियों को 200 शब्दों में लेखन कार्य करना होगा।
कुल अंक – 16

अभ्यास –1 (Exercise -1)

आलेख –

1– चोटी काटने के पीछे अफवाह और अंधविश्वास का जिन्न।
2– राष्ट्रपति के गाँव में बनेगा स्मार्ट स्कूल।
3– 'मंगल' पर मिला पानी।
4– असम
5– माँ की अर्थी को दिया बेटियों ने कंधा।
6– सूर्यग्रहण 2017, सौ साल बाद दिखेगा ऐसा ग्रहण।
7– 200 और 50 के नए नोट ज़ारी।
8– अब नहीं पिघलेगी आइसक्रीम : आराम से उठा सकते हैं लुत्फ।
9– ग्लोबल लैग्वेज़ सीखने के लिए, ये हैं दुनिया के टॉप मोबाइल एप।
10–इमली का बाग एक जैव धरोहर।

विज्ञापन

1– मध्यस्थता अपनाएँ
2– पंतजलि दंतकांति
3– माल और सेवा कर
4– पावन पत्रिका

विवरणिका

1– आत्मविश्वास
2– परीक्षा

लीफलेट

1– सुरूचि कंप्यूटर्स
2– कवि सम्मेलन
3– प्रतीक मोटर्स
4– ग्रेट टू जीनियस

मार्गदर्शिका

1– अमेरिका
2– बड़ौदा

नियमपुस्तिका

1– मोबइल फोन

प्रतिवेदन

1– वायुसेना
2– राजिम कुंभ

निर्देश

1– सर्दियों में ऊनी कपड़ों की उचित देखभाल
2– भूकंप से बचाव

4– सांस्थानिक विज्ञापन –

इस प्रकार के विज्ञापनों का उद्देश्य कंपनी की सकारात्मक छवि को बेचना होता है न कि कंपनी द्वारा निर्मित उत्पाद को। प्रायः ये विज्ञापन शैक्षिक, सांस्कृतिक तथा खेलों को आयोजित करने वाली कंपनियों द्वारा सामाजिक कार्यों पर केन्द्रित होते हैं।

विज्ञापन के विभिन्न माध्यम

मुद्रित	इलेक्ट्रॉनिक	डिजिटल/नया माध्यम
समाचारपत्र	टेलीविज़न	इंटरनेट, वेबसाइट
हैंडबिल	रेडियो	फिल्मों और संगीत
पोस्टर	केबल नेटवर्क	के सी.डी व डी.वी.डी
बैनर (कपड़े तथा कागज़ के)	सेलफोन	
पैम्फलेट		
ब्रोशर		
लीफलेट		
किताबें		
पत्रिकाएँ		

क्या आप जानते हैं?

टैगलाइन – टैगलाइन एक रचनात्मक एवं बुद्धिमत्तापूर्ण विज्ञापन स्लोगन है। अभी आपके मन में किस मशहूर विज्ञापन के टैगलाइन याद आ रही है?

ब्राण्ड – ब्राण्ड किसी उत्पाद या सेवा का वह नाम है जिसकी आसानी से पहचान की जा सकती है। जैसे – कोकाकोला, टाटा आदि।

अभियान – (कैम्पेन) यह विज्ञापन संदेशों की एक श्रृंखला है जिसमें एक जैसे विचार होते हैं जो एक–दूसरे के साथ किसी उत्पाद, सेवा या संस्था के लिए विज्ञापन रणनीति का निर्माण करते हैं।

लक्षित श्रोता (टारगेट ऑडियन्स) – लक्षित समूह लोगों का एक प्राथमिक समूह है जिसकी ओर विज्ञापन अभियान या कोई अन्य संदेश लक्षित होता है।

विज्ञापन के अंग –

1– **शीर्षक** – शीर्षक हमें उत्पाद के बारे में प्राथमिक जानकारी प्रदान करता है।

2– **आकृति** – विज्ञापनदाता विविध चित्र, विश्लेषण, आँकड़ों आदि के माध्यम से ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहता है।

3– **घोष वाक्य** – अंग्रेजी में इसे पंच लाइन भी कहते हैं। कई बार लोग उत्पाद भूल जाते हैं किंतु घोष वाक्य उन्हें हमेशा याद रहता है। घोष वाक्य का प्रयोग कंपनी की पहचान के तौर पर करता है।

4– **चिह्न** – अंग्रेजी में इसे लोगो कहते हैं। कंपनी अपने उत्पाद को एक प्रतीक के रूप में प्रकट करती है। इसका उद्देश्य ग्राहकों में अपने उत्पाद की पैठ करना होता है।

विवरणिका – 1

- बच्चों को अनुशासन का महत्व बताएँ।
- बच्चों के आदर्श बनें।
- रूचि के अनुरूप प्रवृत्तियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
- सभी बच्चों को एक समान प्यार एवं दुलार दें।

5

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

124– शिवम् कॉम्पलेक्स
युनिवर्सिटी रोड़
नई दिल्ली – 100202
भारत

फोन – 011 29393922

6

आत्मविश्वास

1

कई बार ऐसा देखा गया है कि बच्चे अपने माता–पिता से दूर होने लगते हैं तथा कहीं और सहारा ढूँढ़ने की कोशिश करते है। इसके पीछे बहुत सारे कारण होते हैं। भाग–दौड़ भरी इस ज़िन्दगी में रिश्ते बेमाने से हो गए हैं। रिश्तों में दरार साफ देखने को मिलती है। इसकी मुख्य वज़ह एक दूसरे के लिए समय की कमी है। बच्चे अपने माता–पिता से जो अपेक्षा रखते हैं। जब वे अपेक्षाएँ पूरी नहीं होती तो वह टूटने लगता है। और उसका आत्मविश्वास डिगने लगता है। जिससे उसके सुनहरे भविष्य में एक दाग सा लग जाता है।

2

आत्मविश्वास कम होने के कारण –

1– दूसरों के सामने बच्चों को डाँट देना।

2– काम बिगड़ने पर बच्चों को मारना।

3– माता–पिता द्वारा बच्चों को पर्याप्त समय नहीं मिलना।

4– अधिक पढ़ने के लिए दबाब डालना।

5– अन्य बच्चों से तुलना।

6– नज़रअंदाज करना।

7– बच्चों की असफलताओं की चर्चा दूसरों के सामने करना।

3

अभिभावक के लिए –

- बच्चों को डाँटें नहीं प्यार से समझाइए।
- बच्चों को उसके दोस्तों के सामने नीचा न दिखाएँ।
- बच्चों के लिए वक्त निकालें।
- बच्चों से उनके दिनभर के कार्य पर चर्चा करें।
- बच्चों को अकेले काम करने के लिए प्रेरित करें।
- बच्चों की आपस में तुलना न करें।

4

नियम पुस्तिका
(Manual)

उद्देश्य –

इस अभ्यास को पढ़ने के बाद आप –

नियम पुस्तिका के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
नियमपुस्तिका के उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

जब भी हम नया फोन, टी.वी या कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान घर लाते हैं। तो डिब्बे के अंदर से एक छोटी सी पुस्तिका निकलती है। इसे हम मैनुअल या नियम पुस्तिका के नाम से जानते हैं। इस पुस्तिका में उत्पाद के बारे में संपूर्ण जानकारी होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो –

नियमपुस्तिका विविध संदर्भों सहित प्रस्तुत क्षेत्र या विषय के संदर्भ में विशिष्ट एवं सूक्ष्म जानकारी प्रदान करती है। नियमपुस्तिका में आवश्यक सारी जानकारी सारगर्भित रूप में दी जाती है। जैसे कि नाम से ही प्रतिबिम्बित होता है, नियमपुस्तिका में नियमों तथा दिशा–निर्देशों का वर्णन होता है। उत्पाद के अलावा विविध संस्थानों एवं उनके कार्यकलापों की भी नियमावली बनती है जिसमें उनसे संबंधित नीतियों और कार्यविधियों का निर्देशन रहता है।

आप सब स्मार्ट फोन का इस्तेमाल तो करते ही होंगे। क्या आपने कभी इसकी नियमपुस्तिका पढ़ी है? अपने मित्र के साथ मिलकर भारत में मिलने वाले किन्हीं तीन कंपनियों के नाम लिखिये। जो स्मार्टफोन बनाती है। यहाँ पर आपको एक स्मार्ट फोन की नियमपुस्तिका के कुछ अंश दिए गए हैं। आप इसे ध्यान से पढ़िये तथा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

परिचर्चा

वैश्विक संस्कृति को समझने के लिए भाषाएँ एक पुल का काम करती हैं। (आधार : आलेख 9)

CambridgeLearners – Reflective&Engaged
21st Century skills – collaboration&communication

साहित्यिक विमर्श

अंधविश्वास पर आधारित भगवतीचरण वर्मा की 'प्रायश्चित' कहानी पढ़िए। (आधार : आलेख 1)

CambridgeLearners – Confident & Responsible
21st Century skills – Initiative&Responsibility

परियोजना कार्य

अपने शहर की मार्गदर्शिका तैयार कीजिए। (आधार : मार्गदर्शिका1,2)

CambridgeLearners – Inovative &Engaged
21st Century skills – Creative & Productive

विचार लेखन

'आत्मविश्वास' व्यक्तित्व में चार चाँद लगा देता है। इस विषय पर एक लेख लिखिए। (आधार : विवरणिका 1)

CambridgeLearners – Reflective&Engaged
21st Century skills – Creative&Productive

विचाराभिव्यक्ति

'बेटा–बेटी एक समान' इस पर एक भाषण तैयार कीजिए। (आधार : आलेख 5)

CambridgeLearners – Reflective&Engaged
21st Century skills – Criticalthinking &communication

क्रियाकलाप / गतिविधि

अपने विद्यालय में कवि सम्मेलन का आयोजन कीजिए। (आधार : लीफलेट 1)

CambridgeLearners – Engaged&Reflective
21st Century skills – Criticalthinking,collobaration

5– रेस्तरां के मालिक इस शांति का संग्रहालय बनाना चाहते हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

6– रेस्तरां की दीवारों पर बॅटवारे की झलक देखने को मिलती है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

7– ट्रकों को पैंट करने का कार्य हैदर अली ने किया है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

8– रेस्तरां से सरहद दो किलोमीटर दूर है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

9– रेस्तरां के मालिक निवृत्त नौकरशाह हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

रिश्ते की एहमियत को दर्शाने वाले निम्नलिखित लेख को ध्यान से पढ़िए। प्रश्न 1 से 9 का उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेद (A-D) में से सही अनुच्छेदचुनकर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाए।

व्यावहारिकता की खुशबू बिखेरते ये रिश्ते हम सबके लिए मिसाल हैं

A आज जब संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, परिवार सिमट रहे हैं, ऐसे में अपनों के साथ को नए रूप में परिभाषित करना पड़ेगा। नीता अपने मातापिता की इकलौती संतान है। नीता के पापा इस दुनिया में नहीं हैं, इसलिए अब उसकी माँ उसी के पास रहती हैं। नीता एक कामकाजी महिला है। उस का पति विकास भी नीता की मां की जिम्मेदारियाँ बखूबी निभाता है। वह यह जानता है कि अगर नीता की मां खुश रहेंगी तो बदले में उस के मातापिता को नीता से उचित सम्मान मिलेगा। बदलते परिवेश में बदलते रिश्तों का यह स्वरूप वाकई तारीफ के काबिल है। अब जब संयुक्त परिवारों का तेजी से विघटन हो रहा है और एकल परिवार तेजी से अपने पांव जमा रहे हैं, तब ऐसे में लोगों की परिपक्व होती सोच हमारे समाज के लिए एक अच्छा संकेत है। आज हम सभी इस बात को गहराई से महसूस कर रहे हैं कि जब तक हमारा जीवन है तब तक रिश्तों की अहमियत भी है। माना कि अब हमारे रिश्तों का दायरा सिकुड़ता जा रहा है पर बचे हुए रिश्तों को बचाने की पुरजोर कोशिश करना एक सुखद पहल है।

B आयशा, जो एक मल्टीनैशनल कंपनी में उच्चपद पर कार्यरत है, किसी से खास मतलब नहीं रखती थी। पर जब वह बीमार पड़ी तब उसे महंगी चिकित्सा के साथसाथ प्यार के दो मीठे बोल सुनने की आवश्यकता भी महसूस हुई। बस, फिर तो ठीक होते ही उसने अपने बिगड़े रिश्तों को जिस तरह संभाला, वह सभी के लिए अनुकरणीय बन गया। रिश्तों में अहं की भावना की जगह अब जिम्मेदारी ने ले ली है। हर कोई अपनी परिपक्व सोच का परिचय देता हुआ रिश्तों की सारसंभाल में लगा है।

1998 के पश्चात बर्लिन विश्वविद्यालय में एक व्याख्याता के रूप में नियमित रूप से गतिविधियों में सम्मिलित हैं। आप निम्नलिखित विषयों पर नियमित व्याख्यान देते हैं'

– आयुर्वेदिक साहित्य का परिचय
– योग साहित्य
– हिंदू धर्म परिचय

B **प्रश्न – आप एक जर्मन हैं तथापि आपने देवनागरी और संस्कृत का ओसीआर सॉफ्टवेयर तैयार किया है! इसके बारे में बताएँ कि इसकी आवश्यकता कैसे पड़ी और इसकी शुरुआत कैसे हुई?**

उत्तर – मैं एक संस्कृत का विद्वान हूँ और मैंने संस्कृत स्कूल में पढ़नी आरम्भ की थी। यह काफी समय पहले की बात है। उसके बाद जब मैं पीएचडी कर रहा था और मुझे अपनी थीसीस लिखनी थी उसके लिए मुझे बहुत शोध करना था और संस्कृत लिखनी भी थी। इस काम में बहुत समय लग रहा था। अंततः मुझे एक संस्कृत ओसीआर की आवश्यकता महसूस हुई। यहीं से इस ओसीआर की कहानी आरंभ होती है। सो आप कह सकते है कि इसका शुरुआत मेरे निजी कार्य हेतु हुई क्योंकि मुझे संस्कृत में अपनी थीसीस लिखनी थी।

C **प्रश्न – आपको संस्कृत का अध्ययन करने की प्रेरणा किससे मिली? क्या आपकी अपनी रुचि थी या आपके माता–पिता ने आपको प्रेरित किया?**

उत्तर – हाँ, यह मेरी अपनी रुचि थी। मैं हमेशा से भारत और भारतीय दर्शन में रुचि रखता था। मेरी रुचि स्कूल से ही आरम्भ हो गई थी।

प्रश्न – आपका यह ओसीआर – क्या यह आपने स्वयं किया या यह एक टीम वर्क है? कैसे विकसित किया?

उत्तर – इसका विकास मैंने स्वयं आरंभ किया था किंतु बाद में समय–समय पर छोटे–मोटे कामों के लिए अन्य डिवेल्पर्स की सहायता भी ली किंतु अधिकतर मैंने स्वयं ही किया है।

प्रश्न – जिस काम को भारत सरकार के बड़ी–बड़ी सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएँ नहीं कर पाई वह कार्य आपने अकेले कर दिखाया। निःसंदेह आप बधाई के पात्र हैं। क्या इसके लिए भारत से या विदेशों से अन्य संस्थाओं ने आपसे सम्पर्क किया?

उत्तर – यह ओसीआर विकसित करना एक काम था और इसका परिचय करवाना अन्य काम है। धीरे–धीरे भारतीय बाजार में इसको पहचान मिल रही है और हम अन्य संस्थाओं को भी इसकी जानकारी दे रहे हैं पर लगता है कि हमें अभी धैर्य रखना होगा। मैं पूर्णतया संतुष्ट हूँ।

D **प्रश्न – क्या आप मोबाईल ऐप्स भी विकसित करने की सोच रहे हैं?**

उत्तर – हाँ, यह काफी महत्वपूर्ण है। सबसे पहले हम एपीआई विकसित करना चाह रहे हैं ताकि कम्पनियां अपने वर्कफ्लो में इसे इंटिग्रेट कर सकें। इस वर्ष या अगले साल हम हिंदी ओसीआर मोबाईल ऐप्स विकसित करने पर विचार कर रहे हैं।

प्रश्न – हिंदी ओसीआर के हिंदी शब्दकोश में कितने शब्द समाहित हैं?

उत्तर – यह बड़ा रोचक प्रश्न है। मेरे ख्याल से एक लाख या इससे अधिक शब्द शामिल हैं।

टिप्पण लेखन –

'मनमोहक तपोस्थल अर्थात् : कौसानी' आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखिए।

1– कौसानी की स्थिति – **(2)**

- कौसानी अल्मोड़ा से 51 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।
- यह समुद्र तल से 1890 की ऊँचाई पर तथा कोसी और गरूड़ नदियों की ढ़लवा पहाड़ियों पर स्थित है।

2– गाँधी जी के विचार – **(2)**

- गाँधी जी कौसानी की तुलना स्विट्रलैण्ड से करते हैं तथा सभी को स्विट्रलैण्ड की अपेक्षा यहाँ आने के लिए प्रेरित करते हैं।

3– कौसानी का सूर्योदय – **(1)**

- प्रकृति प्रेमियों के लिए यह न भूलने वाला दृश्य होता है।

4– मुख्य आकर्षण – **(1)**

- यहाँ का मुख्य आकर्षण नगाधिराज हिमालय की विशाल पर्वत श्रृंखला है।

5– कौसानी का इतिहास – **(1)**

- कौशिक मुनि के नाम से ही इस जगह का नाम पड़ा। यहाँ पर उन्होंने कठोर तप किया था।

6– 'यंग इंडिया' में ज़िक्र – **(1)**

- गाँधीजी ने 'यंग इंडिया' के माध्यम से कौसानी की सुंदरता का वर्णन करके इसे विश्वप्रसिद्ध बना दिया है।

7– अविस्मरणीय यात्रा – **(1)**

- यहाँ के सीढ़ीनुमा खेत और पहाड़ों पर बिखरा बिखरा सौन्दर्य यात्रा को अविस्मरणीय बना देता है।

सारांश लेखन –

'मनमोहक तपोस्थल अर्थात् : कौसानी' इस आलेख में अपने बनाए नोट्स के आधार पर 100 शब्दों में सारांश लिखिए। सारांश यथासंभव अपने शब्दों में लिखें।
आपको अंर्तवस्तु के लिए अधिकतम 4 अंक और सटीक एवं संक्षिप्त भाषा–शैली के लिए 6 अंक दिए जाएँगें।

मनमोहक तपोस्थल अर्थात् : कौसानी

कौशिक मुनि के नाम पर पड़े कौसानी को असली ख्याति 1929 में महात्मा गाँधी ने प्रदान की थी। 12 दिन गुजारने के बाद अपने लिखे लेख में उन्होंने इसे समस्त विश्व में प्रचारित और प्रसारित कर दिया। उन्हें आश्चर्य होता कि भारत में कौसानी जैसी जगह होने के बावजूद लोग स्विट्रलैण्ड घूमने क्यों जाते हैं। समुद्र तल से 1890 मीटर की ऊँचाई पर कोसी और गरूड़ नदियों की ढ़लवा नदियों पर स्थित कौसानी अल्मोड़ा से मात्र 51 किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ के सीढ़ीनुमा खेत, हिमालय का भव्य सौन्दर्य अनायास ही पर्यटकों को अपनी ओर खींच लेते हैं।

लेखन कौशल (Writing Skills)

सामान्य रूप से भाषा के दो रूप प्रचलित होते हैं। मौखिक एवं लिखित। जब हम अपने विचारों को लिपिबद्ध करके उनका उपयोग करते हैं, तो इस प्रक्रिया को लिखित अभिव्यक्ति या लेखन कहते हैं।

लेखन कौशल का उद्देश्य एवं महत्व – वर्तमान समय में लेखन कौशल के उद्देश्य एवं महत्व को निम्नलिखित रूप से स्पष्ट किया जा सकता है –

- विद्यार्थी सोचने एवं निरीक्षण करने के उपरान्त भावों को क्रमबद्ध रूप से व्यक्त कर सकेगा।
- विद्यार्थी सुपाठ्य लेख लिख सकेगा।
- विद्यार्थी शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिख सकेगा।
- विद्यार्थियों को विभिन्न शैलियों से परिचित करवाना।
- विद्यार्थी ध्वनि, ध्वनि समूहों, शब्द, सूक्ति, मुहावरों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। विराम चिन्हों का यथोचित प्रयोग कर सकेगा।
- विद्यार्थी में लेखन कला का विकास करना जिससे बालक अपने विचारों को सरल एवं बोधगम्य भाषा में प्रस्तुत कर सके।
- विद्यार्थी व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी वाक्यों में शब्दों, वाक्यांशों तथा उपवाक्यों का क्रम अर्थानुकूल रख सकेगा। विभिन्न रचना वाले वाक्यों का शुद्ध गठन करेगा।
- विद्यार्थी अभीष्ट सामग्री ही प्रस्तुत करेंगे। क्रमबद्धता बनाए रखेंगे।
- विद्यार्थी भाव की दृष्टि से अभिव्यक्ति में संक्षिप्तता ला सकेंगे।

लेखन कौशल विकास सम्बन्धी समस्याएँ – विद्यार्थियों के लेखन कौशल के विकास के मार्ग में भाषा शिक्षक के समक्ष अनेकों समस्याएँ आती है। जिनमें प्रमुख हैं –

1– लेखन करते समय विद्यार्थियों द्वारा शब्दों के बीच की दूरी पर ध्यान नहीं दिया जाता है, असमान दूरी के कारण लेखन प्रभावहीन हो जाता है।

2– कई विद्यार्थी शिरोरेखा की उपेक्षा करते हैं। या फिर टेड़ी–मेड़ी शिरोरेखा करते हैं।

3– कई विद्यार्थी अक्षरों को विकृत रूप में लिखते हैं। किसी अक्षर को छोटा या फिर किसी अक्षर को बड़ा बना देते हैं।

4– अनुस्वारों के प्रयोग में त्रुटियों की ओर विशेष ध्यान नहीं देते हैं।

5– विराम चिह्नों के ज्ञान के अभाव के काण भी लेखन कौशल का विकास सम्भव नहीं होता है।

अनुच्छेद लेखन
(Paragraphwriting)

उद्देश्य –

- विद्यार्थी अनुच्छेद लेखन से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी अनुच्छेद और निबंध के अंतर को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी अंत में एक प्रभावकारी अनुच्छेद लिखने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी अनुच्छेद लेखन के मानदंडों को समझ सकेंगे।

अनुच्छेद लेखन – अनुच्छेद लेखन गद्य की लघु विधा है। इसमें किसी वाक्य विचार,अनुभव या दृश्य को कम से कम शब्दों में व्यक्त करना होता है। यह बच्चों की सृजनात्मक क्षमता को बढ़ाने का बहुत ही अच्छा माध्यम है।

निबंध और अनुच्छेद में अंतर –
इसे निबंध का छोटा रूप कह सकते हैं। निबंध में कई अनुच्छेद होते हैं। जबकि इसमें केवल एक ही अनुच्छेद में अपनी बात कही जाती है। किंतु यह निबंध का सार नहीं है। अपने–आप में पूर्ण होता है। निबंध में जहाँ भूमिका बाँधने और निष्कर्ष देने की आवश्यकता होती है। वहीं अनुच्छेद लेखन में इसकी आवश्यकता नहीं होती।

अनुच्छेद लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान रखना आवश्यक है।

1– सबसे पहले अपने विचारों को क्रम दें।
2– वाक्य छोटे तथा एक दुसरे से जुड़े हुए हो।
3– लेखन का आरम्भ सीधे विषय से होता है। किसी भूमिका या परिचय की आवश्यकता नहीं होती है।
4– विचारों का प्रवाह स्पष्ट होना चाहिए।
5– उदाहरण का संकेत ही पर्याप्त होता है।
6– भाषा सरल, स्पष्ट सटीक तथा मुहावरेयुक्त होनी चाहिए।
7– विषय का विस्तार सीधे होना चाहिए। अनुच्छेद सीधा और ठोस होता है।
8– रोचकता बनाये रखना अनुच्छेद लेखन की विशेषता होती है।
9– एक ही बात को बार–बार न दोहराएँ।
10– अनुच्छेद संक्षिप्त व प्रभावशाली हो।
11– किसी सूक्ति या कथन का प्रयोग कर सकें, तो अच्छा होगा।
12– अनुच्छेद के अंत में निष्कर्ष समझ में आ जाना चाहिए यानी विषय समझ में आ जाना चाहिए।

अभ्यसास : 5 के लिए आई.जी.सी.एस.ई द्वारा निर्धारित मानदंड

कुल अंक – 8 जिसमें 3 अंक विषय सामग्री एवं 5 अंक सटीक भाषा–शैली के लिए निर्धारित किए गए हैं।

विषय सामग्री (Content) :
प्रश्न में दर्शाये गए तीनों मुद्दों के लिए एक–एक अंक निर्धारित किया गया है।

भाषा (Language) :

5 अंक –

- मिश्रित वाक्यों में भी भाषा की विस्तृत श्रृंखला का प्रयोग। उच्च स्तर की सटीकता।
- भाषा पर बहुत अच्छा नियंत्रण।
- उचित शैली का प्रयोग।
- अनुच्छेद पूर्ण रूप से एक–दूसरे से जुड़े हुए थे।

4 अंक –

- भाषा की उचित श्रृंखला का प्रयोग।
- सटीक भाषा शैली का प्रयोग।
- महत्वाकांक्षी भाषा का प्रयोग।
- भाषा पर ठीक–ठाक नियंत्रण।
- सामान्यतः अनुच्छेद एक–दूसरे से जुड़े हुए थे।

3 अंक –

- मुख्य रूप से सरल संरचना एवं शब्दावली का प्रयोग।
- कभी–कभी महत्वाकांक्षी भाषा का उपयोग करने का प्रयास।
- सरल वाक्य रचना का प्रयोग करते हुए भाषा पर नियंत्रण
- भाषा को अच्छा बनाने के प्रयास में मामूली गलती।
- भाषा आमतौर पर स्पष्ट है।
- अनुच्छेद में लिखने हेतु उचित शैली का प्रयोग।

2 अंक –

- सरल संरचना एवं शब्दावली का प्रयोग।
- भाषा पर सीमित पकड़ होने के कारण सरल वाक्य रचना से भी अर्थबोध में मुश्किल उत्पंन होना।
- उचित भाषाशैली का अभाव। अनुच्छेद में न लिखना।

1 अंक –

- अति साधारण सरल संरचना एवं शब्दावली का प्रयोग।
- भाषा पर पकड़ न होने के कारण सरल वाक्य रचना से भी अर्थबोध में मुश्किल उत्पंन होना।
- उचित भाषाशैली का सर्वथा अभाव। अनुच्छेद में न लिखना।

0 अंक – भाषा अंक देने के योग्य नहीं।

औपचारिक पत्र का प्रारूप

पत्र लिखने वाले का पता	'कवन', अलकापुरी – 1 रैया रोड़, राजकोट
दिनाँक	11–11–2015
संबोधन	सेवा में
जिसे पत्र लिखा जा रहा है उसका पद	प्रधानाचार्य
जिसे पत्र लिखा जा रहा है उसका पता	गैलेक्सी स्कूल युनिवर्सिटी रोड़, राजकोट – 360005
विषय	आठ दिनों का अवकाश
संबोधन	माननीय
अभिवादन	नमस्ते
अपना परिचय एवं पत्र लिखने का कारण	प्रथम परिच्छेद
विषयवस्तु	दूसरा परिच्छेद
समापन	तीसरा परिच्छेद
अभिनिवेदन	आपका शिष्य
पत्र लिखने वाले का नाम	अमित कुमार

अनौपचारिक पत्र का प्रारूप

पत्र लिखने वाले का पता	'कवन', अलकापुरी – 1 रैया रोड़, राजकोट
दिनाँक	11–11–2015
संबोधन	आदरणीय पिताजी
अभिवादन	सादर चरणस्पर्श
कुशलक्षेम के बारे में जानकारी	प्रथम परिच्छेद
विषयवस्तु	दूसरा परिच्छेद
समापन	तीसरा परिच्छेद
अभिनिवेदन संबंध के अनुसार	आपका आज्ञाकारी पुत्र
पत्र लिखने वाले का नाम	अमित कुमार

एक उदाहरण

राष्ट्रीय एकता

प्रस्तावना में प्रयुक्त महत्वपूर्ण शब्द

भारत एक विशाल देश है। यहाँ अनेक **जातियों** और **संप्रदाय** के लोग निवास करते हैं। उनके **खान–पान**, **रहन–सहन**, **वेशभूषा**, भाषा आदि भिन्न–भिन्न हैं। लेकिन इतनी विभिन्नताओं के होते हुए भी भारत एक सुदृढ़ लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित है।

योजक शब्दों का प्रयोग

दरअसल यही **विभिन्नता** भारतीय संस्कृति की समृद्धि का आधारसूत्र है। अपनी **सांस्कृतिक एकता** के कारण भारत एक है। सभी एक जैसा जीवन जीते हैं और एक प्रकार के दर्शन तथा आदर्तों का विकास करके हम सभी एक राष्ट्र के सदस्य हो जाते हैं।

प्रस्तावना के अंतिम वाक्य का संबंध दूसरे परिच्छेद की प्रस्तावना का आधार है।

हमारी एकता का दूसरा प्रमाण यह है कि उत्तर हो, या दक्षिण, चाहे जहाँ चले जाएँ, चाहे किसी भी प्रांत में चले जाएँ, हमें एक ही संस्कृति के मंदिर, एक ही स्वभाव, दृष्टिकोण तथा धार्मिक विश्वास के लोग दिखाई देते हैं। भारत की सभी भाषाओं में राम और कृष्ण से संबंधित साहित्य उपलब्ध हैं। भारत में विचारों,

महत्वपूर्ण शब्दों को विस्तार

जीवन–दर्शन, धार्मिक पूजा–पद्धति, व्रत–त्यौहार आदि में भी एकता दिखाई पड़ती है। भारत का संविधान भी एक है और हम सबको उसमें पूर्ण विश्वास है।

कारण बताते हुए स्पष्टीकरण

भारत की जनता ने स्वतंत्रता भी एकता के बल पर ही पाई है। अंग्रेज़ों ने अपने शासनकाल में 'फूट डालो, शासन करो' की नीति को सफल बनाने के लिए सांप्रदायिकता के जो बीज बोए थे, उनके अंकुर आज भी फूट पड़ते हैं। सांप्रदायिकता हमारी राष्ट्रीय एकता की सबसे बड़ी दुश्मन है। दुर्भाग्य यह है कि हम जाति व धर्म की भावना से ऊपर नहीं उठ पाते। इससे अक्सर अराजकता की स्थिति उत्पंन हो जाती है। आज हमारे न्यायालयों में लाखों मामले लंबित पड़े हैं। अनेक नदियों के जल–विवाद उठ खड़े हुए हैं। भाषा, धर्म तथा क्षेत्र के नाम पर भयानक उपद्रव होते रहते हैं। इन सभी ने हमारी राष्ट्रीय एकता को खंडित किया है।

व्यंग्यात्मक भाषा का प्रयोग

राष्ट्रीय एकता को खंडित करने में कुछ राष्ट्रीय दलों का भी योगदान रहा है। आरक्षण, धर्म और जाति के नाम पर जनता का अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक वर्गों में बँटवारा–राष्ट्रीय एकता में एक बड़ी बाधा है।

सुझाव के समाधान।

यदि आज हमें राष्ट्रीय एकता की भावना से ऊपर उठना होगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सहिष्णुता तथा समन्वय की भावना हमारी संस्कृति का प्राण है, शक्ति है। यदि हम अपने

भविष्य के प्रति आशावान

कर्तव्य तथा मानवीय भावना के प्रति ईमानदार हें तो निश्चय ही समूचा राष्ट्र राष्ट्रीय एकता के सूत्र में स्वयं ही बंध जाएगा और सब प्रकार की समृद्धि और उन्नति के द्वार अपने आप खुल जाएँगे।

2– आपके पिताजी का स्थानांतरण नए शहर में हो गया है। नए शहर के पहले दिन के अनुभव को अपनी डायरी में लिखिए। **(शब्द सीमा – 200 शब्द)**

- शहर का नाम अचानक क्यों जाना पड़ा ?
- पहले दिन आपने क्या–क्या किया ?

Remebering&Creating
स्मरण एवं सृजन

ऊपर दी गई टिप्पणियाँ आपके लेखन के लिए दिशा प्रदान कर सकती हैं। इनके माध्यम से आप अपने विचारों को विस्तार दीजिए।
लिखित प्रस्तुति पर अंर्तवस्तु के लिए 8 अंक तक और सटीक भाषा के लिए भी 8 अंक दिए जा ऍंगे।

ब्लॉग लिखने की प्रकिया

अपने पाठक वर्ग को पहचानें

↓

विषय और कार्य शीर्षक का चुनाव करें

↓

विषय का परिचय

↓

विचारों की क्रमबद्धता

↓

प्रारूप तय करना

↓

विषय सामग्री का लेखन

एक उदाहरण

'देश का खाना'

सोमवार, अगस्त 8, 2016

नमस्ते! मेरा नाम विहान है। आज के युग में सब लोग अपनी दुनिया में मस्त रहते हैं। लोग इतने स्वाधीन हो चुके हैं कि वह अपने देश और अपने आसपास के लोगों की कठिनाइयो से अनभिज्ञ है।

आज की 'ब्लॉग एंट्री, भारत की 'सबसे बड़ी समस्याओं में से एक' कहलाने वाली 'खाद्य सुरक्षा' पर है। 2011 में 'भारतीय खाद्य सुरक्षा विधेयक' को कैबिनेट से मंजूरी मिली थी। इस विधेयक के अनुसार, भारत के लोगों को सस्ता एवं स्वास्थ्यकर अनाज प्राप्त होगा। इस विधेयक के अनुसार, गेहूँ, चावल जैसे अनाज कम दाम में नागरिकों को उपलब्ध होंगे जिसके कारण भुखमरी और कुपोषण की समस्याएँ भी कम की जा सकती हैं। गरीब लोगों के लिए यह विधेयक एक सपना जैसा ही तो था!

तो फिर क्या हुआ? एनडीटीवी के रिपोर्ट के अनुसार, 2016 में की गई एक खोज बताती हैं की यह विधेयक कई राज्यों में सफल हुआ हैं और कई राज्यों में असफल भी। छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में जन वितरण में कई सारे सुधार देखने को मिले हैं। मगर बिहार और झारखंड में जन वितरण सफलता से नहीं चल पा रहा है। इन राज्यों में राशन कार्ड की चोरी, पर्याप्त राशन कार्ड न होना, आदि जैसी समस्याएँ आज भी जारी है। आज भी भारतीय लोग भूखे सोते हैं, आज भी कई माएँ, अपने बच्चों का रोना सहती है, आज भी अमीर महँगी होटलों में खाना खाते हैं, और असंख्य गरीब लोग सस्ता और गंदा भोजन ग्रहण करते हैं।

5– आपके विद्यालय में एक भाषण प्रतियोगिता है जिसका विषय है, 'विद्यालय में गणवेश अनिवार्य होना चाहिए' आप अपने विचार विषय के पक्ष में या विपक्ष में व्यक्त करते हुए भाषण तैयार कीजिए। (शब्द सीमा – 200 शब्द)

पक्ष	विपक्ष
– नए–नए कपड़ों का दिखावा बढ़ जाएगा।	मनमर्जी के कपड़े नहीं पहन सकते।
– समानता एवं अनुशासन का भाव।	अपने पसंद के कपड़े पहनने से मन प्रफुल्लित रहता है।

Analyzing,Evaluating, Creating
विश्लेषण, मूल्यांकन एवं सृजन

ऊपर दी गई टिप्पणियाँ आपके लेखन के लिए दिशा प्रदान कर सकती हैं। इनके माध्यम से आप अपने विचारों को विस्तार दीजिए।
लिखित प्रस्तुति पर अंर्तवस्तु के लिए 8 अंक तक और सटीक भाषा के लिए भी 8 अंक दिए जाएँगे।

C स्वामी विवेकानंद सन् 1893 में विश्व धर्म परिषद में भाग लेने के लिए भारत के प्रतिनिधि के रूप में शिकागो गए। उस समय भारत गुलाम था। गुलाम देश के प्रतिनिधि के रूप में इन्हें वह सम्मान प्राप्त न हो सका जिसके वे हकदार थे। फलस्वरूप सभी लोग स्वामी जी और भारतीय सिद्धांतों, संस्कृति व धर्म का उपहास करने लगे। वहाँ पर सभी देशों के धर्म ग्रंथ रखे हुए थे। उन सभी में 'भगवद् गीता' को सबसे नीचा रखा गया था। इस कारण स्वामी जी को बोलने का मौका अंत में दिया गया। जब स्वामी जी ने 'मेरे प्यारे अमेरिका के भाईयों व बहनों' कहकर सम्बोधित किया तब सभी लोग स्तब्ध रह गए। जब स्वामी जी ने कहा कि ''हमारा धर्मग्रथ सबसे नीचे है, इसका अर्थ यह नहीं है कि यह सबसे छोटा है अपितु सबकी संस्कृति का मूल रूप, सब धर्मों का आधार हमारा धर्मग्रंथ ही है। यदि मैं इसे हटा लूँ तो आपके ग्रंथ गिर जाएँगे। भारतीय संस्कृति महान है तथा सर्व संस्कृतियों का आधार है।''

D यह सुनकर सभा में उपस्थित जन समूह स्तब्ध रह गया तथा थोड़ी देर बाद पूरा सभागार तालियों की गड़गडाहट से गूँज उठा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व एवं गरिमामयी भाषण को सुनकर अनेकों लोग इनके अनुयायी हो गए। स्वामी जी ने अपना समस्त जीवन भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में लगा दिया। 20 जनवरी 1902 को वह क्रूर दिन आया जब स्वामी जी इस दुनिया को छोड़कर चले गए। किन्तु उनके सिद्धांत आज भी अमर है।

नीचे दिए गए वक्तव्यों (1–9) को पढ़िए तथा कोष्ठक में (√) का निशान लगाकर बताइए कि कौन सा अनुच्छेद (A-D) किस वक्तव्य से सम्बंधित है।

कौन सा अनुच्छेद

9– बताता है कि इनके गुरू रामकृष्ण परमहंस थे।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

10– बताता है कि इनका जन्म कायस्थ परिवार में हुआ था।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

11– बताता है कि भारतीय धर्मग्रंथ सबसे नीचे रखा गया था।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

12– बताता है कि अनेक लोग विवेकानंद जी के अनुयायी हो गए।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

13– बताता है कि स्वामी जी सम्मेलन में भाग लेने शिकागो गए थे।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

14– बताता है कि स्वामी जी के बचपन का नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

15– बताता है कि उन्होंने सभी को भाईयों और बहनों कहकर संबोधित किया।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

16– बताता है कि वे पश्चिमी माहौल में पले-बढ़े थे।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

17– बताता है कि विवेकानंद का अर्थ है विवेक और आनंद।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

Exercise 2 (अभ्यास –2)

Question	Answer	Marks	Guidance
9	A	1	
10	D	1	
11	C	1	
12	B	1	
13	A	1	
14	C	1	
15	B	1	
16	D	1	
17	C	1	

Exercise 3 (अभ्यास –3)

Que	Answer	Marks	Guidance
18	'अगर पृथ्वी पर कहीं स्वर्ग है तो यही है'	1	
19	बाबा अमरनाथ की गुफा भी यही है।	1	
20	सुन्दर हरी वादियाँ, कल–कल बहते झरने, सुन्दर मनोहर दृश्य, बाबा अमरनाथ की गुफा, डल झील	2	
21	समस्त प्रकृति का सौन्दर्य खूबसूरती का बखान करने के लिए शब्द नहीं है।	2	
22	अर्थव्यवस्था में मज़बूती आने से पर्यटन क्षेत्र को लाभ हुआ है।	1	
23	कश्मीर में शांति से पर्यटकों की संख्या में इज़ाफा हुआ है।	1	
24	दोनों भले ही भौगोलिक रूप से अलग हो, किंतु प्राकृतिक रूप से समान है।	1	

Exercise 4 (अभ्यास –4)

Question	Answer	Marks	Guidance
25	कुल अंक – 10 जिसमें 4 अंक विषय सामग्री एवं 6 अंक संक्षिप्त एवं सटीक भाषा–शैली के लिए निर्धारित किए गए हैं। निर्धारित मानदंडों की जानकारी के लिए पृष्ठ संख्या 130 को देखें। **मुख्य बिंदुओं की सूची :** ▪ कश्मीर और स्विटरलैण्ड के बीच काफी समानता है। ▪ कश्मीर की सुंदरता एवं धर्म संबंधी मान्यता ▪ स्विटरलैण्ड की अद्भुत छटा ▪ अर्थव्यवस्था में सुधार का लाभ ▪ कश्मीर में शांति से लाभ ▪ दोनों भौगोलिक रूप से अलग होकर भी प्राकृतिक रूप से समान	10	